हास्य दोहावली

2/7/21 CW

इन्हें पढ़कर नीचे लिखिए–

1. कल पढ़े सो आज पढ़, आज पढ़े सो अब, उम्र बड़ी हो जाएगी फिर पढ़ेगा कब?

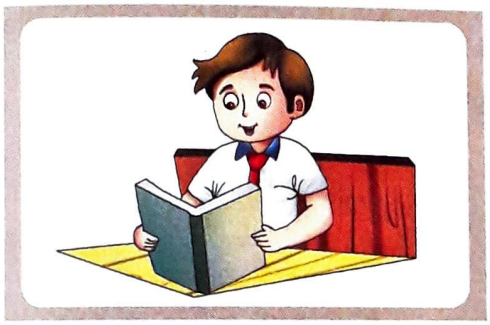

2. अध्यापक कुर्सी पर बैठकर, सबकी 'कापी' लेत जैसा जिसका काम हो, वैसे 'नम्बर' देत।

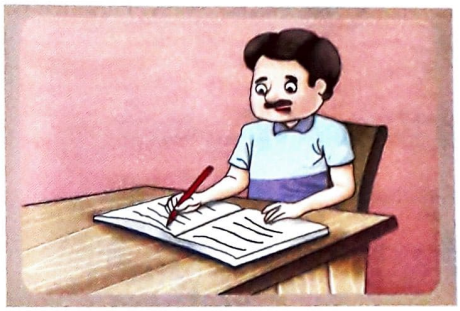

1.

2.

दिनांक : .....

हस्ताक्षर : .....

बूँद

इसे कविता को पढ़कर लिखिए–

बूँद-बूँद बादल से आती।
दूर-दूर तक गिरती जाती।

बूँद-बूँद खेतों में जाती।
हरियाली के रंग जमाती।

बूँद-बूँद है प्यास बुझाती।
तन-मन में खुशियाँ भर जाती।

बूँद-बूँद भर देती गागर।
जैसे हो गागर में सागर।

बूँद-बूँद से छोटे सपने।
प्यारे-प्यारे कितने अपने।

बूँद-बूँद सबको समझाती।
अपना सब जग को दे जाती।

बूँद-बूँद से हम बन जाएँ।
सबके मन की प्यास बुझाएँ।

दिनांक : ..... हस्ताक्षर : .....

HW 2/7